



1/189

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 226]
No. 226]

नई दिल्ली, भूत्यतिवार, अप्रैल 27, 1989/वैसाख 7, 1911
NEW DELHI THURSDAY, APRIL 27, 1989/VAISAKHA 7, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परीक्षण मंत्रालय

(पत्रनं पत्र)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1989

मा का नि 475 (प्र) — महापत्तन न्याय प्रधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पटित धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोचीन पत्तन के न्यायी मंडन द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 123 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाए गए कोचीन पत्तन न्याय (ज़ाज जलयात के आंदेध या रोक तथा बिश्री) विनियम, 1988 जिसका केरल के गजपत्र मे 31 जून 1998 और 7 फरवरी, 1990 को प्रतागत दृप्ति या और जो इस प्रधिसूचना के साथ बनाए गए प्रधिसूचने में वर्णालित है, को अनमोदित करनी है।

[पा मं पी आ-16012/20/49-पीजी]

प्रोग्रेस नागरिक मयूर भवित्व

प्रनुसारी

म. वी 2/1633/89पम

प्रधिसूचना

महापत्तन न्याय प्रधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोचीन पत्तन के न्यायी मंडल एनडीआर निम्नलिखित विनियम बनाता है तथा उर्वरूप प्रधिनियम की धारा 121 के प्रधीत केन्द्र सरकार के प्रत्योक्तन के साथ केन्द्र सरकार के धारपत्र मे 12 जुलाई, 1988 तथा 26 जून 1988 के दो हफ्तों में लगातार प्रकाशित किया था।

1 (1) नक्षिल नाम — इन विनियमों का नाम कोचीन पत्तन न्याय (ज़ाज जलयात के आंदेध या रोक तथा बिश्री) विनियम 1988 है।

(2) प्रान्त — ये सरकारी गजपत्र में अन्तिम प्रकाशन यी तारीख से प्रवर्त्त होते

2 विनियोग महापत्तन न्याय प्रधिनियम 1963 या उसके बनागत बनाए गए भी विनियम या आदेशों के बन्तर्गत देय वंड या दर या दोनों दनेवाले भव्य जलयातों के लिए ये विनियम लाग रहेंगे लेकिन फैलीय सरकार के

या केंद्रीय या राज्य सरकार की सेवा में आने वाले या विदेशी राज्य के युद्ध होंगे या में आने वाले जलयानों के लिए साधु नहीं

3 परिमाणाय :—इन विनियमों में समर्थ अन्य प्रकार से अधिकार स हो नो,

(1) "अधिनियम" का अर्थ महापत्रन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) से अधिकत है।

(2) "उप संरक्षक" से उसी अधिकारी अधिकत है (जो होने विज्ञान समुद्री विद्या का प्रभारी हो तथा जिनके साथ उप एवं सहायक अधिकारी भी शामिल हो और अन्य कोई भी अधिकारी उप संरक्षक के अधीन में काम करते हों)।

(3) "फार्म" का अर्थ इन विनियमों के साथ संलग्न फार्म से अधिकत है।

(4) "दर" का अर्थ अधिनियम के अन्तर्गत अदायगी करने वाला दर या दृढ़ अधिकत है।

(5) इन विनियमों में उपयोग किए गए शब्दों एवं अधिक्यक्षितयों के अर्थ वही होंगे जो अधिनियम में उनको अस्त्र तिवारि किये गये हैं।

4. आसेध या जलयानों का रोक

(1) जहां कोई जलयान, जिसके दर/दंड का भुगतान न किया गया है, पोर्ट में पद है उसके लिए उप संरक्षक द्वारा फार्म। में एक मांग पत्र दी जा सकती है जिसमें अदायगी न दिये गये जलयान के मास्टर से उक्त मांग पत्र की जारी से मात्र दिनों के अन्दर मधीं दर या दंड प्रदा करने का अनुरोध कर सकता है।

2. पोर्ट द्वारा बोर्ड को मिलते वाले जेप रकम से सम्बंधित उक्त मांग पत्र के साथ सम्बन्धित बेतन के मालिक या एजेंट के विद्धु प्रस्तुत किया जिल के साथ उसके बिल एवं प्रतिलिपि भी रखना चाहिए जिसमें दर या जुरनिया का पूरी विवरण दिया हो।

3. उक्त मांग मास्टर को उपयोगी होना चाहिए और मास्टर के गैर हाजिरी में मांग पत्र जहाज के मस्तूल पर चिपकाने से मास्टर के उपयोग में आया जैसा सम्शा जायगा।

4. भुगतान नहीं किया गया बेतन के मास्टर, उनको दिये गये मांग पत्र में सूचित समय के अन्दर दर या अर्थवद्ध का भुगतान नहीं किया गया तो उस बेतन को आसेध या रोकन का तुक्रा बोर्ड को होता है। इसके साथ बेतन के रस्ते, परिधान एवं अन्य उपकरण आदि भी अवायगी करने तक पोर्ट के पास रखा जा सकता है। साथ ही बेतन के आसेध या रोक करने के अवधि में किसी प्रकार के पोर्ट को प्राप्त होने का रकम अदायगी करना जेप है तो उसका भी भुगतान करने तक पोर्ट के पास में सामान रख सकता है।

5. अनदायगी जलयान के रोक या आसेध के लिए उप संरक्षक द्वारा फार्म-II में बारंट गिरफ्तारी जारी किया जाएगा जिसमें वेयर रकम की अन्त सूक्त देने के साथ साथ यह सभी सूचित किया जाये कि बोर्ड की अंग मधीं दर/अर्थवद्ध लगत की अवायगी करने वाल का प्रामेध या गोक जारी किया जायगा।

(6). बारंट गिरफ्तारी जलयान के मास्टर को दिया जायगा और उसका एक प्रतिलिपि जलयान के मस्तूल पर चिपकाया जाएगा।

(7) योर्ड मास्टर हाजिर नहीं है या बारंट स्थीकार करने से इनकार करता है तो जलयान के मस्तूल पर चिपकाये गये बारंट की प्रतिलिपि मास्टर के काम में आया जैसा सम्शा जाएगा।

7. जलयान का आसेध या अवहद्ध के बाद पांच दिनों के अन्दर बोर्ड के हितानुसार मालिक/मास्टर या जलयान के एजेंट द्वारा उक्त दर अर्थ दर या आसेध या अवहद्ध का मूल्य गो उसके रख-रखाव मावधीयी या मूल्य की अवायगी न किया है तो जलयान या उसके आमेश या अवहद्ध मामानों की विकी के लिए नोट दो तत्त्रशायित्र है।

8. यदि एक विदेशी जलयान जो एक ग्रांडेश के अनुसार आसेध या अवहद्ध किया गया है तो उस रातु का एम्ब्रेस एवं जन भवत एवं वह भवत मंत्रालय भारत सरकार को भी दूचना दी जाए।

5 आमेश या अवहद्ध जलयान की विकी

1. अवहद्ध जलयान के आरक्षित विद्या मूल्य का निम्नता करने के लिए स्वीकृत सर्वोक्तुक द्वारा मिष्टेव किये गये ब्रलगन के मावधीय में उप संरक्षक द्वारा एक मध्याक्रित मर्यादण करना चाहिए।

2. जलयान एवं रस्ते, परिधान, एवं उत्तरण की विकी के पास्ते दी उप संरक्षक को भहानिदेशक ज्ञातरानों में अत्यन्ति मिलता नाहिए।

3. जलयान की विकी, मामानों की निर्मी अधिनियम, 1930 की उपब्रह्मो एवं निविदा नोटिस में दिये गये गर्ने के अनुसार की जाएगी।

4. फार्म-III में दिये गये प्रेग विजापन के अनुसार कम से कम चार अवधियों में, जिनमें एक हिन्दू और प्रारंभिक भाषा का हो, मुख्यवेद निविदा आमंत्रित किया जाएगी। इसमें विद्या द्वारा दर्शन करने का अविनिः । इस भी सूचित की जाएगी।

5. एक निर्धारित मामय जो उप संरक्षक द्वारा दर दिया जाएगा, के द्वारा देने में विकी नोटेस प्रकाशित करने के बाद ग्रांडेश व्हीट-वार्गों को जलयान का निविदा करने के लिए अनुमति दी जाएगी।

6. हर एक निविदा के माय उप संरक्षक द्वारा दर दिये गये वापना निष्प्रद का बैक ड्राइट भी होता।

7. नियम नारीब नशा ममय के बाद प्रान्त निविदा स्वीकृत किया जाएगा।

8. उप संरक्षक द्वारा निविदा नारीब और मदा पर निविदाकारी की उपस्थित में भुग्यरब्द निविदा द्वारा जाएगा और उस ममय कोर्ड निविदा कार अनुपस्थित है तो कागण ब्राह्मक, युवो विना उपरी निविदा यम्बीकृत की जाएगी।

9. स्वीकृत निविदाकार को प्रमान भी स्वीकृत मध्यमी वृपना दी जाएगी।

10. निविदा को स्वीकृति के बाद पांच दिनों के अन्दर निविदाकार द्वारा स्वीकृत रकम का 25% प्रदा करना है और ग्रेव रकम उग नारीब में 15 दिनों के अन्दर प्रदा करना है। निविदा मूल्य के अन्तर्वाल उप संरक्षक द्वारा निविदा किये गुरुत्वा निवेदन के लिए दर्शन/प्रेग विकी एवं यारंटी भी निविदाकार देना है जो ममान के बाद दीन मधीनों भी अवधि के अन्दर वापन दिया जाएगा। जो भी हो उग निवेदन पर पोर्ट द्वारा बोर्ड रोर्ड दी ग्रान्त नहीं दिया जाएगा।

11. निविदा भी स्वीकृति में पांच दिनों के अन्दर भीकृत रकम के 25% को अदायगी में लूक देने पर, जब तक दूसरा ग्रान्त अपेक्षित न हो, विकी रखत रखत हो जाएगा और ब्रयाना निवेदन का जृग्याना दिया जाएगा और जलयान को स्वीकृत निविदाकार के ग्रान्ति पर, उन विकी की जाएगी।

12 किनी कान्न मे 30 दिनों के अन्दर बन्दरगाह से जलयान हर नहीं किया जाता है औ नियमित प्रभार के साथ अतिश्चित वये भाड़ा, जो पोर्ट पर मे विया गया है, का उद्देश्य किया जाएगा ।

13 किनी भी पर्याप्ति म, जब तक, उसी प्रकार करने के लिए विशेष रूप मे अनुमति न दी जाए, तो उसी गोमात्रा के अन्दर या बन्दरगाह के अन्दर मिल जहाज का टैट-फट या विश्वास करने के लिए उपभोक्ता की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

6 जलयान के खरीदार की वापिसी

1 निविदा म्ही बृत्त करने को सार्वांश से मभी अर्थदः/दर और अन्य प्रभार खरीदार के घाने मे आ जाएगा ।

2 निविदा की स्थोर्नति पर, 30 दिनों के लिए पोर्ट को प्राप्त राशि, गत एवं उस अवधि के लिए उपभोक्ता द्वारा प्राप्तिलित प्रभार भी पोर्ट के साथ खरीदार निभेप करना है ।

3 मीमा शुल्क, उन्पादन शुल्क, बिया कर, स्थानीय कर आदि खरीदार ने खाने म रखा जाएगा और उक्त प्राधिकारियों को खरीदार द्वारा उसे इष्टी गव कर से समर्वित रकम भदा करना है । पोर्ट द्वारा जलयान की निकासी के लिए अनुमति देने रे गहने गेमे भुगतान का रसीद दिखाना चाहिए ।

4 (क) निविदा स्वीकारन करने के बाद तुरन्त ही एक प्रमाणपत्रित मास्टर, प्रमाणपत्रित अधिकारियों एवं प्रमाणपत्रित ईजीनियस के साथ पर्याप्त धारा का कमीवल जलयान बन्दरगाह के अन्दर रखने समय, खरीदार द्वारा जलयान के भैनिंग एवं अनुरक्षण के लिए मभी प्रवध जाने रकमा है ।

(ख) जलयान के भैनिंग एवं अनुरक्षण के लिए आवश्यक प्रवध बनाने म खरीदार असमर्प है नो पोर्ट प्राधिकारियों द्वारा उस उद्देश्य के लिए उक्त अधिकारियों को नियुक्त करके कार्य किया जाएगा और उसे समर्वित सभी भागोंवित ब्लॉक खरीदार से यसु दिया जाएगा ।

पार्ट-1

[विनियम 4 (1) को देखें]

सेवा मे

मास्टर

एम. बी/एस.एम.

विषय- एम. बी/वर/पीनल टाइल- दर के प्रदेनगी/पर्याप्त-दण्ड-अवायगी के नोटिस जारी करना ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त पक्ष पर ध्यान दे । आपसे अनुरोध है कि निम्न दर पर्याप्त दण्ड दिनांक... तक, रप्ये भेजर पोर्ट ट्रस्ट प्रधिनियम, 1963 की धारा 64 के उपबन्धों के अनुसार बसल एम. बी..... को एवं द्वारा सासेध किया जाता है तथा जलयानों के आसेध या रोक किए जाने के समय तक जो रकम बोर्ड को देय है उसको अदा करने के समय तक गोक दिया जाएगा ।

1 2 . . . 3
पोर्ट को देय उपर्युक्त वर/पर्याप्त दण्ड के भुगतान के बारे मे बेसल के मास्टर या एजन्ट द्वारा अभी तक कोई कारबाई नहीं दी है । आपके अधीन के बेसल से तारीख को रप्ये पोर्ट को देय है ।

2 आपको सुनना दी जाती है कि इस नोटिस को प्राप्त हुए 7 दिन के अन्दर उपर्युक्त प्रधायगी किया जाए, जिसके न शेने पर भेजर पार्ट ट्रस्ट प्रधिनियम, 1963 की धारा 64 के उपबन्धो के अनुसार जलयानों

को आसेध या रोक किया जाएगा तथा उसके रस्ते, परिधान तथा उपकरणों को, जलयानों के आसेध या रोक किए जाने समय तक जो रकम बोर्ड को दिया जाता है उसको भदा करने के समय तक रोक रखा जाएगा ।

भवदीय,

उप संरक्षक

प्रतिलिपि :

मैसर्स
एम. बी के मालिक

प्रतिलिपि : मैसर्स

जलयान के एजेन्ट

फार्म - 2

[विनियम 4 (5) को देखें]

सेवा मे

मास्टर

एम. बी/एस.एस.

विषय पोर्ट परिवहन-एम. बी.वर/पर्याप्त दण्ड-दर अर्थे दण्ड के प्रदेनगो/ आसेध आदेश - जारी करना

संदर्भ - मेरे समर्वाक पक्ष दिखाना

महोदय,

कृपया उपर्युक्त पक्ष पर ध्यान दे । आपसे अनुरोध है कि दिनांक के पक्षमे रप्ये दर पोर्ट ट्रस्ट को देय दि. के पहले अदा किया जाये तारीख के माग के अनुसार पोर्ट ट्रस्ट को देय उपर्युक्त दर / पर्याप्त दण्ड के भुगतान के बारे मे बेसल के मास्टर या एजन्ट द्वारा अभी तक कोई कारबाई नहीं दी है । आपके अधीन के बेसल से तारीख को रप्ये पोर्ट को देय है ।

बोर्ड को उपर्युक्त दर / पर्याप्त दण्ड के प्रदेनगो के कारण भेजर पोर्ट ट्रस्ट प्रधिनियम, 1963 की धारा 64 के उपबन्धों के अनुसार बसल एम. बी. को एवं द्वारा सासेध किया जाता है तथा जलयानों के आसेध या रोक किए जाने के समय तक जो रकम बोर्ड को देय है उसको अदा करने के समय तक गोक दिया जाएगा ।

यह भी नोट किया जायें कि यदि उक्त राशि तथा आसेध का अन्य भागेध आदेश (यानी) को प्राप्त हुए 5 दिन के अन्वर ने बुका हो तो उक्त प्रधिनियम की धारा 64 के अधिकारों के अनुसार बेसल को बेचने का मै बाह्य है । बेसल की वित्ती की राशि का उसकी वित्ती के लिए खर्च की गयी राशि महित बोर्ड के देय राशि के साथ समायोजन किया जाएगा ।

भवदीय,

उप संरक्षक

प्रतिलिपि

मैसर्स
एम. बी के मालिक
मैसर्स बेसल के एजेन्ट

फार्म 3

[विनियम 5 (4) वो देखें]

विशेष

मेजर पोर्ट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 64 वारा प्रदल व्यक्तियों का प्रयोग करने हुए पोर्ट ट्रस्ट वेसल पर वो विशेष की विशेष के लिए ग्रीष्मीच खरीददार से मुहरबंद निविदाएं “जैसा है जहाज है”, आवार पर आमत्रित वी जाती है।

2 वेसल का मनियन विवरण निधन प्रकार है

वेसल का नाम

निमाण वर्ष

जी आर टी

एनआर टी

सबाई

चीडाई

गहराई

कुल भार

वर्गीकरण

इजन

वी एच पी

एल डी टी

निमाण वर्ष

यार्ड

3 निविदाएं वह लिमाके में उप सरक्षक पोर्ट ट्रस्ट
के कार्यालय में दि को बजे
पहुचा जाये, जिसके साथ स्पर्धे के वयना धन
जमा के बैंक ड्रॉपट के नाम पर को
भुगतान किए योग्य भी सलग्न करे। निविदा को प्रसुत करने समय लिफाके
में लिखना है ‘‘एम वी के खरीद के
सिए निविदा’’

4 नियत तारीख और निश्चित समय के बाद प्राप्त निविदा को
प्रस्तुकार किया जाएगा।

5 वेसल के लिए भुगतान निविदाएं उप सरक्षक पोर्ट ट्रस्ट द्वारा उनके वार्यालय में को खुला जाएगी।
चुनी हुई निविदा की स्वीकृति पद सम्बन्धित व्यक्ति को दिया जाएगा।

6 निविदा की स्वीकृति नो प्राप्त 5 दिन के अन्दर निविदावाला कुल राशि के 25% तथा 15 दिनों के अन्दर शेष रकम को प्रदा करना है। बैंक गारन्टी को स्वीकार नहीं करेगा। निविदा की स्वीकृति को प्राप्त हुए 5 दिन के अन्दर कुल राशि के 25% प्रदा नहीं किया है। अन्य कोई आदेश न होने पर, विशेष क्रमने आपसे इह ही जाएगा तथा धन द्वारा दून राशि, स्पर्धे अर्थ इड लिया जाएगा और जहाज को टेकेशर के खाले पर पुन विशेष किया जाएगा। यदि इड रकम को निविदा को स्वीकार किए 15 दिन के अन्दर अद्या नहीं किया जाएगा तो विशेष क्रमने अपसे इह ही जाएगा तथा धन जमा स्पर्धे अर्थ दाढ़ लिया जाएगा। प्रदा किये 25% राशि का, यदि कोई कमी भा गयी है तो उसके लिए या पुन विशेष के लिए उसे हुई गणि के लिए उपयोग किया जाएगा।

7 मीमांशुल, उत्पादन शुल्क तथा आयात शुल्क, विशेष कर, स्थानीय कर अदि “खरीददार के हिसाब” में लाग है।

3 निविदाएं उप सरक्षक
उनके कार्यालय में
खुली जाएंगी।

पोर्ट ट्रस्ट द्वारा
का बजे

9 जहाज को विशेष के दिन से 30 दिन के अन्दर पोर्ट से निकाला है। इस समय जहाज प्राधिकृत मास्टरो, प्राधिकृत अधिकारियों, इजीनियर एवं कर्मीदलों के भवीत म है। इन्हा प्रबन्ध खरीददार को करना चाहिए।

10 मेजर, पोर्ट ट्रस्ट (प्रासेप या रोक तथा जलवान का विशेष) विनियम, 1988 के अनुसार वेसलों की विशेष से लेफ्ट हाउंडर से निकालने के समय तक क सभी दरमाएं बड़ को खरीददार प्रदा करा है।

11 वेसल हाउंडर में या पोर्ट म खड़े गम्य किसी भी परिवर्ति म खरीददार को उस विवादित करने को अनुमति नहीं है, अन्यथा अनुमति प्राप्त न हो।

12... ... पर खड़े जहाज क समय तक निरीक्षण के लिए उप सरक्षक से दूर नियाजन प्राप्त करता है।

13 बिना बाई कारण बताए किसी या सभा निविदाओं को तिरस्वार करने का आधकार पाठ का है (पोर्ट ट्रस्ट)

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th April, 1989

G S R 475(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963, (38 of 1963), the Central Government hereby approve the Cochin Port Trust (Distraint or arrest and sale of Vessels) Regulations, 1988 made by the Board of Trustees of Cochin Port in exercise of powers conferred on them by section 123 of the said Act, and published in the Kerala Gazette dated 31st January, 1988 and 7th February, 1989 and as set out in the Schedule to this notification

[File No. PR-16012/20/88-PG]

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

SCHEDULE

No B2/1633/88/S.

NOTIFICATION

In exercise of the powers conferred by sub-section (f) and (k) of Section 123 of Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Board of Trustees of Cochin Port Trust hereby makes the following regulations, the same having been published for two successive weeks, in the Kerala Government Gazette dated 12th July, 1988 and 26th July 1988 respectively, with the approval of the Central Government under Section 124 of the said Act.

1 (1) Short Title.—These Regulations may be called “The Cochin Port Trust (Distraint or Arrest and sale of Vessels) Regulations, 1988”

(ii) Commencement.—They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2 Application.—These regulations shall apply to all vessels in respect of which any rates or penalties or both are payable under the Major Port Trusts Act, 1963 or under any regulations or orders made thereunder, but shall not apply to vessels belonging to, or in the service of, the Central Government or a State Government or to any vessel of war belonging to any Foreign State.

3. Definitions :

In these regulations, unless the context otherwise requires :

- (i) "Act" means the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963);
- (ii) "Deputy Conservator" means the Officer for the time being in charge of the Marine Department of the Port Trust and includes the Deputies and Assistants to the Deputy Conservator and any other officers acting under the authority of the Deputy Conservator.
- (iii) "Form" means the form annexed to these regulations;
- (iv) "rates" means the rates or penalties payable under the Act.
- (v) words and expressions used in these regulations but not defined and defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

4. Distraint or arrest of vessels.—(1) Where any vessel in respect of which rates|penalties have not been paid is lying at the Port, a demand in Form shall be made by the Deputy Conservator upon the Master of the defaulting vessel requiring the said Master to pay all the rates or penalties within a period of seven days from the date of issue of the said demand.

- (2) The said demand shall accompany the copy of the bills containing the full particulars of rates or penalties which were raised against the owner or agent of the concerned vessel and payment of which still remains due to the Board.
- (3) The said demand shall be served upon the Master and in the event of non-availability of the Master, the affixing of the demand notice on the mast of the vessel shall be deemed as service of the demand upon the Master.
- (4) If the Master of the defaulting vessel refuses or neglects to pay the rates|penalties or any part thereof within the time limit specified in the demand made upon the Master, the Board may proceed to distrain or arrest such vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, or any part thereof and detain the same until the amount so due to the Board, together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is under distraint or arrest, is paid.

(5) In order to distrain or arrest the defaulting vessel, the Deputy Conservator shall issue a warrant of arrest in Form II clearly specifying the amount due and indicating that the distraint or arrest shall continue until the amount so due to the Board together with further accrual of rates or penalties and costs are paid towards full satisfaction of the Board.

- (6) (a) The warrant of arrest shall be served upon the Master of the vessel and a copy thereof shall also be affixed on the mast of the vessel.
- (b) In cases where the Master is not available or avoids service of the warrant, the fixing of the copy of the warrant on the mast of the vessel shall be deemed as service of the warrant upon the Master.
- (7) If the said rates|penalties or cost of the distraint or arrest of the vessel or of the keeping of the same are not paid by the owner or master or agent of the vessel towards full satisfaction of the Board within a period of five days next after the distress or arrest has been made, the Board shall cause the vessel or other things so distrained or arrested to be sold.

- (8) In the case of a foreign vessel placed under distraint or arrest by an order, the Embassy of the Flag Country and the Government of India in the Ministry of Surface Transport shall be informed.

5. Sale of distrained or arrested vessel :

- (1) The Deputy Conservator shall have a valuation survey of the vessel carried out by approved Surveyors to ascertain the reserve sale price of the distrained vessel.
- (2) The Deputy Conservator shall obtain the permission of the Director General, Shipping before putting the vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, to sale.
- (3) The sale shall be held in accordance with the provisions of the Sale of Goods Act, 1930 and also in terms of the conditions of sale as per Tender Notice.
- (4) Sealed tenders shall be invited from the prospective buyers through press advertisement, as in Form III, at least in four leading newspapers, including Hindi and one regional language daily, specifying the last date for the receipt of tenders.
- (5) The prospective buyers shall be permitted to inspect the vessel after the sale notice is published in the Press, during a specified period which shall be fixed by the Deputy Conservator.
- (6) Each tender shall be accompanied by an earnest money deposit, to be paid by bank draft, to be fixed by the Deputy Conservator in each case.
- (7) The tenders received after the due date and time, shall be summarily rejected.
- (8) The sealed tenders shall be opened in the presence of tenders present on the date and time fixed by the Deputy Conservator for opening the tenders and if any tender is not present at the time fixed for opening the tenders, his tender may be rejected without opening, giving the reasons.
- (9) The acceptance of the offer shall be communicated to the successful tenders.
- (10) The successful tender shall pay 25 per cent of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender and the balance amount within 15 days from that date. In addition to the tender value the successful tenderer will also deposit such money/bank guarantee for a value as determined by the Deputy Conservator as security deposit which will be returned within a period of 3 months after successful completion. However, no interest shall be paid by the port on the deposit so made.
- (11) In default of payment of 25 per cent of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender, the sale shall, unless otherwise ordered, stand automatically revoked, and the earnest money shall be forfeited, and the vessel shall be resold at the risk of the tenderer whose tender was accepted.
- (12) If the vessel is not removed from the harbour for any reason within 30 days, additional berth hire charges beyond the normal charges, as laid down in the Port's Scale of Rates, shall be levied.
- (13) Under no circumstances, the buyer shall be permitted to dismantle or break the ship inside the harbour or within the port limits, unless or otherwise it is specifically permitted to do so.

6. Liabilities of the buyer of the vessel :

- (1) On and from the date of acceptance of the tender all rates|penalties and other charges shall be to the buyer's account.

(2) Upon acceptance of the tender, the buyer shall deposit with the port an amount representing 30 days' port dues, fees and charges as may be estimated by the Deputy Conservator to be payable for such period.

(3) Customs and Excise duties, Sales Tax, Local Taxes, etc. shall be as applicable on buyer's account and he should remit the amounts on account of such duties and taxes to the concerned authorities and produce the receipts for such payments before the clearance is granted to the vessel by the Port.

(4) (a) Immediately after the acceptance of the tender the buyer shall make all arrangements for manning and maintenance of the vessel by a certificated master, certificated officers and certificated engineers with an adequate number of crew during the period the vessel is kept inside the harbour.

(b) In case of failure by the buyer in making necessary arrangements for manning and maintaining the vessel, the Port authorities may hire and employ proper persons for that purpose and all reasonable expenses incurred in this connection shall be recoverable from the buyer.

Sd/-

P. K. BHASKARAN, Dy. Secy.

FORM I

[See Regulation 4 (1)]

To

The Master,
m.v./S.S.

Subject—m.v. Rates/Penalties—Non-payment of rates/penalties—Issue of Notice demanding immediate payment.

Sir,

Please refer to my letter cited. You were requested to pay a sum of Rs. as on towards the following rates/penalties payable under the provisions of the Major Port Trusts Act, 1963/regulations or orders made thereunder due to the Port Trust on or before

1. 2. 3. No steps have so far been taken by you as the Master of the vessel, or by the Agents, to pay dues to the Port as demanded towards aforesaid rates/penalties. As on an amount of Rs. is due from the vessel under your command.

2. Notice is hereby given to you for making the above payment in this seven days on receipt of this Notice, failing which provisions of section 64 of the Major Port Trusts Act 1963 will be invoked to distrain or arrest the vessel and the tackle, apparel and furniture belonging thereto, or any part thereof, and detain the same until the amount so due to the Board, together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is under distraint or arrest, is paid.

Yours faithfully,

DEPUTY CONSERVATOR

Copy to : M/s.

Owners of m.v.

Copy to : M/s.

Agents of the vessel.

FORM II

[See Regulation 4 (5)]

To

The Master,
m.v./S.S.

Subject—Shipping—m.v. Rates/penalties—Non-payment of rates/penalties—Distrain Order—Issue of.

Ref. : My letter of even number dated.

Sir,

Please refer to my letter cited. You were requested to pay a sum of Rs. as on forwards the Rates/penalties due to the Port Trusts on or before no steps have so far been taken by you as master of the vessel or by the agents to pay the dues to the Port Trust as demanded on You are hereby notified that an approximate amount of Rs. is due towards rates/penalties as on is due from the vessel under your command.

In view of the non-payment of the above rates/penalties due to the Board, I hereby pass orders in exercise of the powers given under the provisions of section 64 of the Major Port Trusts Act, 1963 that the vessel m.v. is hereby distrained and will be kept under detention until the amount due to the Board together with such further amount as may accrue for any period during which the vessel is distrained and detained is paid.

Please also note that in case the above said amount and the cost of the distraint is not settled within 5 days from the date of distraint order (i.e.) I shall be constrained to sell the above vessel under the powers vested under section 64 of the said Act and the sale proceeds will be adjusted against the charges due to the Board including the cost of the sale of the vessel.

Yours faithfully,

DEPUTY CONSERVATOR

Copy to : M/s.

Owners of m.v.

Copy to : M/s.

Agents of the vessel.

FORM III

[See Regulation 5(4)]

ADVERTISEMENT

In exercise of the powers conferred by section 64 of the Major Port Trusts Act, 1963 Port Trust invite sealed tenders from the intended purchasers for the sale of the vessel m.v. on "as is where is" basis.

2. Brief particulars of the vessel are as follows :—

Name of the vessel

Year of Built

G.R.T.

N.R.T.

Length

Breadth

Depth

Deadweight

Classification
 Engine
 B.H.P.
 I.D.T.
 Year of Built
 Yard

3. Offers in double sealed covers are invited before Hrs. on addressed to the Deputy Conservator Port Trust alongwith an Earnest Money Deposit of Rs. (Rupees) by Bank Draft payable at in favour of The tender should be submitted superscribing on the envelop TENDER FOR THE PURCHASE OF M.V.

4. All tenders received after the due date and time will be summarily rejected.

5. The sealed tenders for the purchase of the vessel shall be opened on in the presence of Deputy Conservator Port Trust in his office. The acceptance of the offer will be communicated to the successful tenderer.

6. The successful tenderer shall pay 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender and the balance within 15 days from that date. No Bank Guarantee will be accepted. In default of payment of 25% of the bid amount within five days from the date of acceptance of the tender, the sale shall unless otherwise ordered, stand automatically revoked and the Earnest Money Deposit of Rs. forfeited and the ship resold at the risk of cost of the tenderer, whose tender was accepted. Should the balance of sale consideration be not paid

within the aforesaid time of 15 days from the acceptance of the tender, the sale shall stand automatically revoked and the earnest money of Rs. be forfeited. The 25% amount already paid shall be retained to meet any shortfall or other expenses arising out of the said resale.

7. Customs, Excise and Import Duty, Sales Tax, Local Taxes, etc. as applicable on 'BUYERS ACCOUNT'.

8. The tenders will be opened on at in the presence of the Deputy Conservator Port Trust in his office and the acceptance of any tender will be at the sole discretion of the Deputy Conservator Port Trust.

9. The ship should be removed from the Port within 30 days from the date of sale. During this time the ship should be kept manned by certified Master, certificated officers and certificated Engineers plus an adequate number of crew. Those arrangements should be made by the Buyer.

10. The Buyer will have to pay all the rate/penalties from the date of sale of the vessel till the date of actual removal of the vessel from the harbour in accordance with the Major Port Trust (Distraint or Arrest and sale of vessels) Regulations, 1988.

11. Under no circumstances, the Buyer be permitted to dismantle the ship inside the harbour or within Port limits, unless or otherwise it is permitted to do so.

12. The ship which is lying at may be inspected by prior appointment with the Deputy Conservator, from to

13. The Port reserves the right to reject any or all the tenders without assigning any reason whatsoever.

(PORT TRUST)

